

IMC

श्री तुलसी



सामग्री

एलोवेरा

प्राकृतिक सौंदर्य के लिए एलोवेरा की खूबियाँ और आयुर्वेद के ज्ञान से बना।

श्याम तुसली

यह एंटी-बैक्टीरियल और एंटी वायरल है।

विष्णु तुलसी

यह एंटी-एजिंग और एंटी-एलर्जिक है।

लाभ

- जुकाम, छींके, सिरदर्द, बुखार, दमा आदि में श्री तुलसी की दो बूंदें शहद में मिलाकर लेने से बहुत लाभ होता है।
- कैंसर में श्री तुलसी की 8-10 बूंदें एक गिलास छाछ के साथ सुबह, शाम पीयें।
- खुजली और एन्जाइम से परेशान रोगियों को प्रभावित जगह पर श्री तुलसी लगानी चाहिए।
- जलने, किसी भी विषैले कीड़े या मच्छर काटने पर श्री तुलसी को लगाने से आराम मिलता है।
- सिर दर्द, बाल झड़ना या असमय बाल पकने पर श्री तुलसी की 8-10 बूंदें, एलो जैल में मिलाकर सिर और बालों की जड़ों में मालिश करने से सिरदर्द एवं बाल झड़ने की समस्या से आराम मिलता है।
- दांत दर्द, दांत से खून आने पर या दांतों में कीड़े लगने पर श्री तुलसी की 4-5 बूंदें पानी में डालकर कुल्ला करने से आराम मिलता है।
- श्री तुलसी 8-10 बूंदें, बॉडी ऑयल के साथ मिलाकर शरीर पर मलकर सोंये, मच्छरों के प्रकोप से बच जायेंगे।
- कूलर के पानी में 8-10 बूंदें श्री तुलसी की डालने से सारा घर रोगाणु मुक्त हो जाता है।
- श्री तुलसी और नीम्बू का रस समान मात्रा में मिलाकर रात्रि में सिर के बालों में अच्छी तरह से लगाकर सुबह बाल धोने से सिर की जुएं और लीखें मर जाती हैं।
- श्री तुलसी की 2 बूंदें एलो जैल में मिलाकर चेहरे पर सुबह और रात में सोने से पहले लगाने से त्वचा सुन्दर हो जाती है और यह चेहरे से धब्बे, छाइयां, कील-मुँहासे और झुरियां को दूर करने में सहायक है।

इस्तेमाल करने की विधि

- श्री तुलसी की एक बूँद एक गिलास पानी अथवा चाय में डालें।
- इसे दिन में चार से पांच बार लें।
- श्री तुलसी को दूध के साथ ना लें या इसके सेवन के पश्चात दूध ना पिएं।
- या चिकित्सक के परामर्श अनुसार सेवन करें।
- ठंडी और सूखी जगह पर रखें।

प्रॉडक्ट वैकिंग

प्रॉडक्ट कोड : 1117201

नेट : 20 मि.ली.

एम.आर.पी : 195/-

एसोसियेट डिटेल्

एसोसियेट नाम.....

एसोसियेट आई.डी.....

एसोसियेट संपर्क नं.....



श्री तुलसी पांच प्रकार की तुलसी से मिलकर बनी है : श्याम तुलसी, विष्णु तुलसी, राम तुलसी, निम्बू तुलसी, वन तुलसी-प्रत्येक के अलग अलग वानस्पतिक नाम एवं औषधीय गुण हैं। तुलसी भारतीय औषधीय परंपरा में सबसे जाना माना नाम है जिसे टॉनिक माना जाता है जो जवानी को बरकरार रखता है और उम्र बढ़ने से रोकता है। तुलसी को जड़ी-बूटियों की रानी माना जाता है और यह फाइटो-न्यूट्रीएंट्स (पोषक तत्वों) एवं खनिजों जैसे विटामिन ए, बीटा, कैरोटीन, पोटैशियम, लौह, तांबा, मैंगनीज एवं मैंगनीशियम से भरपूर है. यह तनाव को दूर कर चित्तवृत्ति(मूड) को बेहतर बनाती है। चिंता और तनाव को नियंत्रित करने के अलावा तुलसी के पत्ते हृदय के लिए टॉनिक का काम भी करते हैं और इसमें पूरी दुनिया भर से अधिक एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-बायोटिक, शोथरोधी, एंटी-वायरल, एंटी-एलर्जिक, एंटी-डिजीज (बीमारियों से दूर रखने) के गुण मौजूद हैं। तुलसी के सेवन से करीब 200 से अधिक बीमारियों में लाभ जैसे फ्लू, स्वाइन फ्लू, डेंगू, बुखार, कफ, सर्दी, जोड़ों के दर्द, रक्तचाप, मोटापा, बीनी से एलर्जी, हेपेटाइटिस, पेशाब की परेशानियां, गठिया, बवासीर, पायरिया, रक्त स्राव होना, फेंफड़ों में सूजन, अल्सर, तनाव, शुक्राणुओं की कमी, थकान, भूख कम लगना, उल्टी आना इत्यादि।

आई.एम.सी. हैड ऑफिस
इंटरनेशनल मार्केटिंग कॉर्पोरेशन प्रा. लि.,
श्री गुरु नानक देव भवन, भारत नगर चौक, लुधियाना 141001
info@imcbusiness.com www.imcbusiness.com
Toll Free No. 1800-137-0098